



भारत सरकार Government of India

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय / Ministry of Agriculture & Farmers Welfare
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग / Department of Agriculture & Farmers Welfare

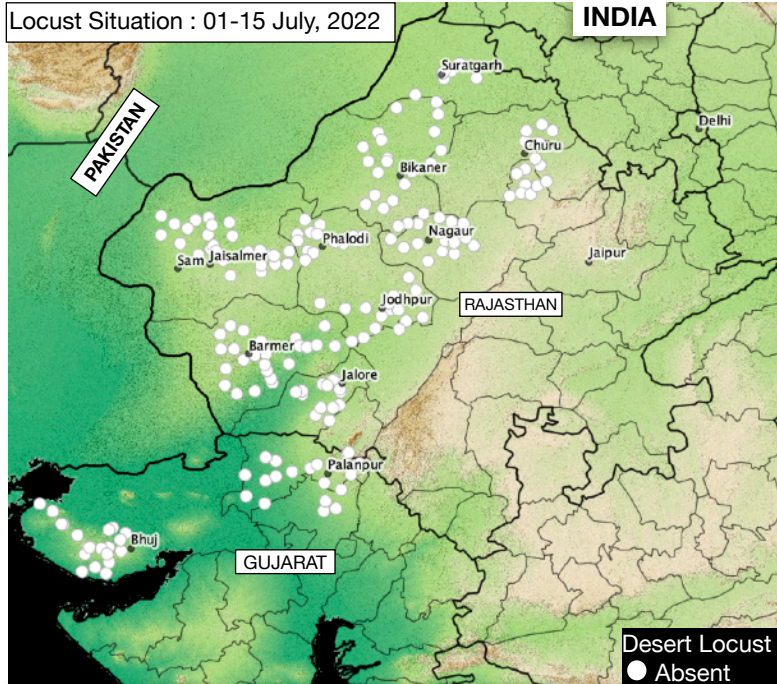
DESERT LOCUST SITUATION BULLETIN

Year 2022 / No. 13

अवधि / Period 01-15 July, 2022

LOCUST SITUATION : During the routine survey, it has been observed that India is free from gregarious as well as solitary desert locust activities in the 1st fortnight of July, 2022. Total 195 nos. of spots were observed while conducting surveys which are plotted on the map.

टिप्पणी की गतिविधियाँ : जुलाई 2022 के प्रथम पखवाड़े में भारत रेगिस्तानी टिप्पणी की समूह एवं एकल गतिविधियों से मुक्त रहा है। इस अवधि में अनुसूचित रेगिस्तानी क्षेत्रों में नियमित सर्वेक्षण के दौरान कुल 195 स्थानों का अवलोकन किया गया जिन्हे मानचित्र पर चिह्नित किया गया है।



India is free from gregarious as well as solitary desert locust activities

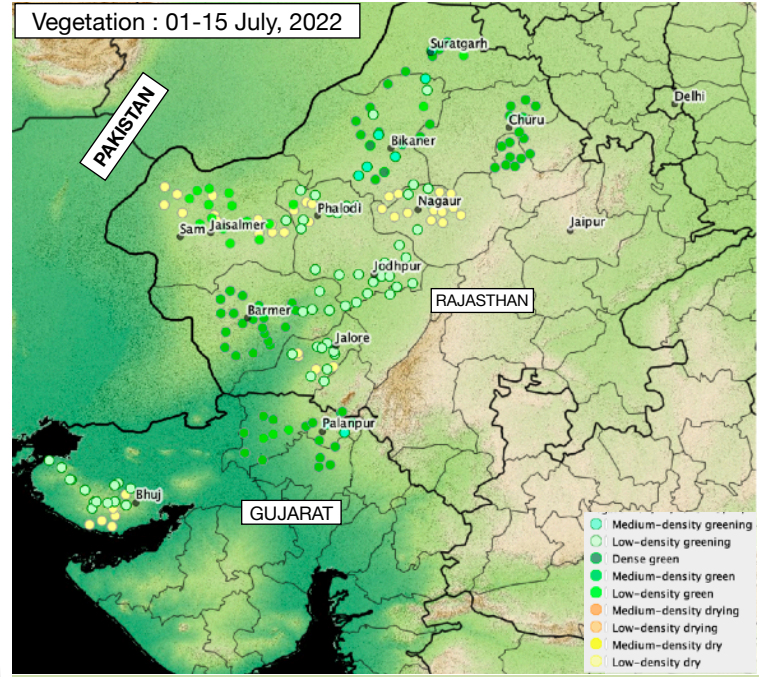
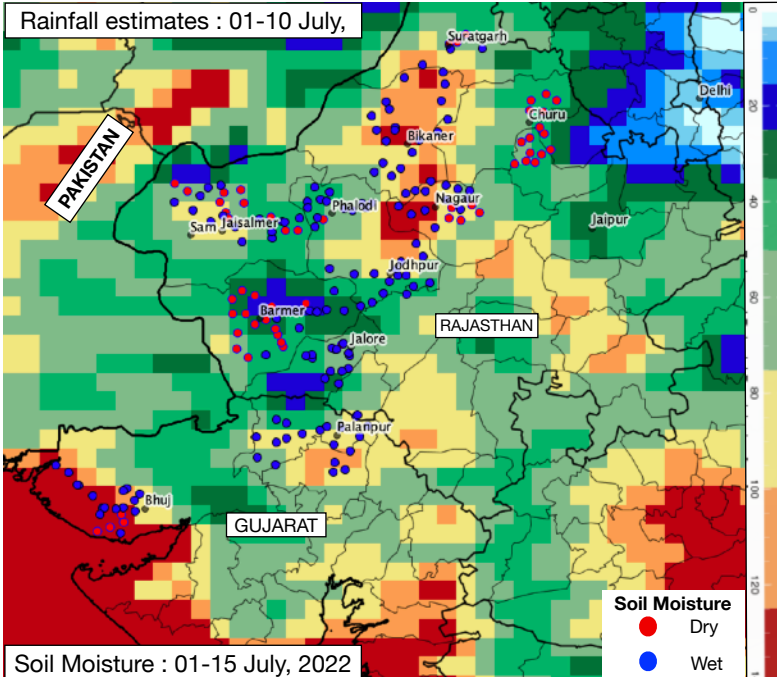


Current situation is calm in all region.

Swarm movement	: Nil
Breeding	: Nil
Hoppers	: Nil
Scattered / Isolated adult/Adult Groups	: Nil

WEATHER AND ECOLOGY : Rainfall estimates (1-10 July) shows heavy rain at costal areas of Gujarat, moderate to heavy at Bikaner and Nagaur and moderate in the entire SDA. During the survey, vegetation was found green except some places of Nagaur, Jaisalmer, Phalodi, Bhuj and Jalore where it was observed dry.

मौसम एवं परिस्थितिकी : अनुमानित वर्षा मानचित्र (1-10 जुलाई) गुजरात के तटीय इलाकों में भारी बारिश, बीकानेर और नागौर में मध्यम से भारी और पूरे अनुसूचित रेगिस्तानी क्षेत्र में मध्यम वर्षा को दर्शाता है। सर्वेक्षण के दौरान अधिकांश इलाकों में वनस्पति हरी पाई गई। नागौर, जैसलमेर, फलोदी, भुज और जालोर के कुछ स्थानों में इसे सूखा सूखा पाया गया।



Soil moisture found wet at most of the survey spots whereas it was found dry at churu, Barmer and some places of Jaisalmer, Nagaur and Bhuj

vegetation was found green except some places of Nagaur, Jaisalmer, Phalodi, Bhuj and Jalore where it was observed dry.

FAO Update (1 July) : During the forecast period (up to August) small-scale breeding will occur in the northern Sahel from **Mauritania** to western **Eritrea** and along both sides of the **Indo-Pakistan** border. This will cause locust numbers to increase slightly but remain well below threatening levels. Limited breeding may also occur in northeast **Ethiopia** and in the interior of **Yemen** if rains fell during the forecast period.

एफ. ए. ओ. अपडेट (1 जुलाई) : पूर्वानुमान अवधि (अगस्त तक) के दौरान, उत्तरी साहेल में मॉरिटानिया से पश्चिमी इरिट्रिया और भारत-पाकिस्तान सीमा के दोनों किनारों पर छोटे पैमाने पर प्रजनन हो सकता है। इससे टिड्डियों की संख्या थोड़ी बढ़ सकती है लेकिन खतरे के स्तर से काफी नीचे रहेगी। यदि पूर्वानुमान अवधि के दौरान वर्षा होती है तो पूर्वोत्तर इथियोपिया और यमन के अंदरूनी हिस्सों में भी सीमित प्रजनन हो सकता है।

South West Asia Commission (SWAC) : Situation is calm in Iran, Pakistan, India and Afghanistan.

दक्षिण पश्चिम एशिया आयोग (एस.डब्ल्यू.ए.सी.) : ईरान, पाकिस्तान, भारत और अफगानिस्तान में स्थिति शांत है।

FORECAST (India) : Due to rainfall ecological conditions becoming favourable for DL breeding in India but as per FAO update there is no DL activity reported in SWAC region. Therefore, any migration or unusual locust activity is not expected in coming fortnight, but surveys for close monitoring will be continued.

पूर्वानुमान : वर्षा की वजह से भारत में टिड्डी प्रजनन के लिए पारिस्थितिक परिस्थितियाँ अनुकूल हो रही हैं परंतु एफ. ए. ओ. अपडेट के अनुसार, एस.डब्ल्यू.ए.सी. क्षेत्र में टिड्डी गतिविधि की कोई सूचना नहीं है। इसलिए, आने वाले पखवाड़े में टिड्डी की किसी प्रकार की असामान्य गतिविधि अथवा देशांतर गमन की उम्मीद नहीं की जाती है, लेकिन कड़ी निगरानी के लिए सर्वेक्षण जारी रहेगा।

Photographs taken by surveyors

